23/5/24 | आज यह पत्रावली [illegible] वादी उप.।
प्रतिवादी अधिवक्ता उप.। पत्रावली में दिनांक
02/5/24 को प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र वास्ते दावा
डिक्री करने व फ्रेश सूट पेश करने पर
सुना गया। वादी द्वारा प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत
[illegible] किया गया है कि उक्त आज्ञानी

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramkishor Mina
Date: 2025.06.13 11:53:42 IST
Reason: SelfAttested

प्रकरण वर्ष 2003 से श्रीमान के समक्ष विचाराधीन है। प्रकरण विचाराधीन रहते हुए कुछ प्रतिवादीगण ने गलत तरीके से अपने हिस्से की आराजी का रिलिज डीड करवा दिया है व कुछ० पक्षकारो ने अपने हिस्से की आराजी को बैंक को रहन रख दिया है इसलिए उक्त वाद पत्र में कई तकनीकि खामिया पैदा हो गई है। 20-21 वर्ष से उक्त वाद-पत्र प्रारम्भिक स्टेज पर ही है। इसलिए हम वादीगण उक्त वाद को विड्रो कर फ्रेश रूप सभी तथ्यों के साथ पेश करना चाहते हैं ऐसी स्थिति मे दावा विड्रो करने की इजाजत दी जाकर व विड्रो के बाद भविष्य मे फ्रेश रूप फाईल करने की इजाजत बाबत निवेदन किया है।

हमारे द्वारा वकुलाप को सुना गया। पत्रावली का अवलोकन व अध्ययन किया गया। अतः प्रार्थी/वादी का प्रा०पत्र बाबत दावा विड्रो स्वीकार किया जाकर पत्रावली विड्रो कि जाती है। वादी को उक्त वाद को भविष्य मे फ्रेश रूप फाईल करने की इजाजत प्रदान की जाती है। पत्रावली जेर शुमार होकर नतीजा दर्ज हो। बाद पूर्ति दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramkishor Mina
Date: 2025.06.13 11:53:42 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
बहरो ...टपूतली-बहरोड़